A-0213

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL–101

Bachelor of Arts (BA)

(नाटक, अलंकार एवं छन्द)

1st Year Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाट्य साहित्य के उद्भव सम्बन्धी भारतीय मतों का उपस्थापन कीजिए।

2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् के नायक दुष्यन्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. अभिज्ञान शाकुन्तलम् नाटक के मंगलाचरण की व्याख्या कीजिए।

4. अलंकारों के कितने भेद हैं ? उदाहरण सहित भेदों की व्याख्या कीजिए।

5. श्लेष अलंकार एवं यमक अलंकार का लक्षण, भेद एवं उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

   (अ) नान्दी

   (ब) सूत्रधार

   (स) प्रस्तावना

   (द) नेपथ्य

2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् के द्वितीय अंक का सारांश लिखिए।

3. विभावना अलंकार का लक्षण सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

4. इन्द्रवज्रा छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

5. स्रग्धरा छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

6. 'भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

7. अभिज्ञान शाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक के किन्हीं **दो** श्लोकों को लिखिए।

8. अधोलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए :

   भव हृदय साभिलाषं सम्प्रति संदेहनिर्णयो जातः।

   आशंकशे यदग्निं तदिदं स्पर्शक्षमं रत्नम्॥

****